कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (74) खण्ड - {147}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- फर्स्ट डिवीजन में आने के लिए क्या करना है ?

A- कर्मेन्द्रिय जीत, मायाजीत बनो

B- ट्रस्टी बनो

C- गृहस्थ व्यवहार और ईश्वरीय व्यवहार दोनों की समानता रखो

D- सम्पूर्ण नष्टोमोहा बनो

प्रश्न 2- त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ कौन हैं ?

A- शिवबाबा

B- हम ब्राह्मण बच्चे

C- देवता

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 3- किसको कहा जाता है देह अभिमान ?

A- शरीर को याद करना

B- रावण की मत पर चलते हैं उन्हें

C- और कोई देहधारी को याद करते हो, तो

D- देह की दृष्टि वृति रखना

प्रश्न 4- नैचुरल ब्युटी है ?

A- युरोपियन

B- लक्ष्मी-नारायण

C- क्रिश्चियन

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- शिवबाबा है -

A- हसीन

B- हुसैन

C- मुसाफिर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- बुद्धि को स्वच्छ बनाने का पुरूषार्थ क्या है ?

A- देही-अभिमानी बनो

B- ज्ञान की पढ़ाई

C- निर्विकारी बनो

D- याद में रहो

प्रश्न 7- सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। 84 जन्मों का कौन सा रूप विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का ?

A - विराट रूप

B - चतुर्भूज रूप

C- अलंकारी रूप

D- नारायण रूप

प्रश्न 8- बाबा तो कह देते हैं जो कुछ है उनसे जाकर सेन्टर खोलो।औरों का कल्याण करो। सेन्टर खोलता कौन है ?

A- ब्रह्माबाबा

B- शिवबाबा

C- निमित्त टीचर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- मुख्य बात, कौन सी अन्दर देखना है ?

A- हमारे में कोई अवगुण तो नहीं हैं ?

B- दैवीगुण कहाँ तक धारण किए हैं ?

C- हम बाप की याद में कितना समय रहे ?

D- किसी को दुःख तो नहीं दिया ?

प्रश्न 10- बहुत जन्म कौन से युग में मिलते हैं ?

A- सतयुग

B- द्वापर युग में

C- कलियुग में

D- त्रेतायुग में

प्रश्न 11- ईश्वरीय सन्तान कहलाने वाले बच्चों की मुख्य धारणा क्या होगी ?

A- बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे

B- आत्म अभिमानी हो कर रहेंगे

C- पढ़ाई कभी मिस नहीं करेंगें

D- हर कदम श्रीमत पर चलेंगे

प्रश्न 12- लड़ना-झगड़ना यह है -

A- निधनकों का काम है

B- यह है देह-अभिमान

C- भक्ति मार्ग में चलता है

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- राम की सीता भगवती को रावण ले गया। इसे क्या कहेंगे -

A- कहानियाँ

B- भक्ति मार्ग

C- अंधश्रद्धा

D- उल्टा ज्ञान

प्रश्न 14- कर्म में योग का अनुभव होना अर्थात् -

A- निमित्त भाव

B- कर्मयोगी बनना

C- कम्बाइण्ड रूप

D- योग और सेवा साथ-साथ

प्रश्न 15- कृष्ण का नाम क्या है ?

A- कृष्ण

B- श्याम सुन्दर

C- विष्णु

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर हैं -

A- विचित्र है।

B- देवता कहा जाता है।

C- उत्तम ते उत्तम पुरूष।

D- उपरोक्त सभी

भाग (74) खण्ड {147} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.कर्मेन्द्रियजीत मायाजीत बनो*

स्लोगन:- *फर्स्ट डिवीजन में आने के लिए कर्मेन्द्रिय जीत, मायाजीत बनो।*

उत्तर 2- *D. A और B*

परमपिता परमात्मा को तो त्रिनेत्री कहा जाता है। उनको ज्ञान का तीसरा नेत्र है। *त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ यह टाइटिल उनको मिले हैं। अभी तुमको

तीनों लोकों का ज्ञान है फिर यह गुम हो जाता है,* जिसमें ज्ञान है वही आकर देते हैं।

उत्तर 3- *C.और कोई देहधारी को याद करते हो,तो*

हम सब आत्माओं का कनेक्शन एक परमपिता परमात्मा के साथ है। वह कहते हैं मामेकम् याद करो। मुझ एक के साथ ही प्रीत रखो। रचना के साथ मत रखो। देही-अभिमानी बनो। *मेरे सिवाए और कोई देहधारी को याद करते हो, तो इसको कहा जाता है देह-अभिमान।*

उत्तर 4- *B.लक्ष्मी-नारायण*

इन (लक्ष्मी-नारायण) जैसा नैचुरल सुन्दर तो कोई हो न सके। यह ज्ञान की बात है। भल क्रिश्चियन लोग भारतवासियों से सुन्दर (गोरे) हैं क्योंकि उस तरफ के रहने वाले हैं परन्तु सतयुग में तो नैचुरल ब्युटी है। आत्मा और शरीर दोनों सुन्दर हैं।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

अब महिमा तो हुसैन की है ना। घोड़े की तो नहीं। *जरूर मनुष्य के तन में हुसैन की आत्मा आई होगी ना।* वह इन बातों को नहीं समझते। अभी इसको कहा जाता है राजस्व अश्वमेध अविनाशी रूद्र ज्ञान यज्ञ। अश्व नाम सुनकर उन्होंने फिर घोड़ा समझ लिया है, उनको स्वाहा करते हैं। यह सब कहानियाँ हैं भक्ति मार्ग की। *अभी तुमको हसीन बनाने वाला हसीन मुसाफिर तो यह है ना। *

उत्तर 6- *A.देही-अभिमानी बनो*

देही-अभिमानी बनने से ही बुद्धि स्वच्छ बनती है। ऐसे देही-अभिमानी बच्चे अपने को आत्मा समझ एक बाप को प्यार करेंगे। बाप से ही सुनेंगे। लेकिन जो मूढ़मती हैं वह देह को प्यार करते हैं, देह को ही श्रृंगारते रहते हैं।

उत्तर 7- *A.विराट रूप*

सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। *84 जन्मों का विराट रूप भी विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का।* विराट रूप विष्णु का ही बनाते हैं क्योंकि पहले-पहले प्रजापिता ब्रह्मा का नाम धरते हैं। ब्रह्मा का तो बहुत थोड़ा पार्ट है इसलिए विराट रूप विष्णु का दिखाते हैं।

उत्तर 8- *B.शिवबाबा*

भक्ति मार्ग में भी दाता हूँ तो अभी भी दाता हूँ। वह है इनडायरेक्ट, यह है डायरेक्ट। बाबा तो कह देते हैं जो कुछ है उनसे जाकर सेन्टर खोलो। औरों का कल्याण करो। *मैं भी तो सेन्टर खोलता हूँ ना। बच्चों का दिया हुआ है, बच्चों को ही मदद करता हूँ।* मैं थोड़ेही अपने साथ पैसा ले आता हूँ।

उत्तर 9- *A.हमारे में कोई अवगुण तो नहीं है ?*

वह है ही सम्पूर्ण निर्विकारी राज्य। वह राम-राज्य, यह है रावणराज्य। इस समय सब तमोप्रधान हैं। हर एक बच्चे को अपनी स्थिति की जांच करनी चाहिए कि हम बाप की याद में कितना समय रह सकते हैं? दैवीगुण कहाँ तक धारण किए हैं? *मुख्य बात, अन्दर देखना है हमारे में कोई अवगुण तो नहीं हैं?*

उत्तर 10- *C.कलियुग*

बाप बैठ समझाते हैं कि तुम बच्चे यहाँ किसके पास आये हो? इनके पास नहीं। मैने इनमें प्रवेश किया है। इनके बहुत जन्मों के अन्त का यह पतित जन्म है। बहुत जन्म कौन से? वह भी बताया, आधाकल्प हैं सतयुग के 8, त्रेता के 12 पवित्र जन्म, आधाकल्प हैं द्वापर के 21, *कलियुग के 42 पतित जन्म।* तो यह भी पतित हो गया।

उत्तर 11- *A.बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे*

ईश्वरीय सन्तान कहलाने वाले बच्चों की मुख्य धारणा वह आपस में बहुत-बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे। कभी लूनपानी नहीं होंगे। जो देह-अभिमानी मनुष्य हैं वह उल्टा सुल्टा बोलते, लड़ते झगड़ते हैं। तुम बच्चों में वह आदत नहीं हो सकती। यहाँ तुम्हें दैवीगुण धारण करने हैं, कर्मातीत अवस्था को पाना है।

उत्तर 12- *B.यह है देह-अभिमान*

बाप कहते हैं आपस में कभी भी लड़ना-झगड़ना नहीं चाहिए। यह तो जानवरों का काम है। *लड़ना-झगड़ना यह है देह-अभिमान।* बाप का नाम बदनाम कर देंगे। बाप के लिए ही कहा जाता है सतगुरू का निंदक ठौर न पाये। साधुओं ने फिर अपने लिए कह दिया है।

उत्तर 13- *कहानियां*

स्वर्ग की स्थापना बाप राम करते हैं, नर्क की स्थापना रावण करते हैं, जिसको वर्ष-वर्ष जलाते हैं। परन्तु

क्यों जलाते हैं? क्या चीज़ है? कुछ नहीं जानते। कितना खर्चा करते हैं। *कितनी कहानियाँ बैठ सुनाते, राम की सीता भगवती को रावण ले गया।* मनुष्य भी समझते हैं ऐसा हुआ होगा।

उत्तर 14- *B.कर्मयोगी बनना*

स्लोगन:- *कर्म में योग का अनुभव होना अर्थात् कर्मयोगी बनना।*

उत्तर 15- *A.कृष्ण*

कृष्ण का नाम तो कृष्ण ही है फिर उनको श्याम सुन्दर क्यों कहते हैं? चित्रों में भी कृष्ण का चित्र सांवरा बना देते हैं परन्तु अर्थ नहीं समझते। अभी तुम समझते हो सतोप्रधान थे तो सुन्दर थे। अभी तमोप्रधान श्याम बने हैं। सतोप्रधान को पुरूषोत्तम कहेंगे, तमोप्रधान को कनिष्ट कहेंगे।

उत्तर 16- *B.देवता कहा जाता है*

दूरदेश का रहने वाला आये हैं देश पराये। यह सिर्फ उस एक के लिए ही गायन है, उनको ही सब याद करते हैं, वह है विचित्र। उनका कोई चित्र नहीं। *ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को देवता कहा जाता है।* शिव भगवानुवाच कहा जाता है, वह रहते हैं परमधाम में। उनको सुख-धाम में कभी बुलाते नहीं, दु:खधाम में ही बुलाते हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (74) खण्ड - {148}

प्रश्न 1- जब मुरली द्वारा क्या मिल जायेगा तो माया सदा के लिए समाप्त हो जायेगी ?

A- सही रास्ता

B- विधि

C- ज्ञान

D- कारण का निवारण

प्रश्न 2- संगमयुगी ब्राह्मण जीवन की विशेषता है -

A- रूहानी रॉयल्टी

B- दैवीगुण

C- सन्तुष्टता

D- पवित्रता

प्रश्न 3- कर्मेनद्रियों की चंचलता कैसे ही टूटेगी ?

A- योगबल से

B- वश करने से

C- ज्ञान से

D- पावनता से

प्रश्न 4- अभी तो हैं आत्मायें, परमात्मा से क्या लेती हैं ?

A- वर्सा

B- प्रापर्टी

C- ज्ञान

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से किसकी झलक साफ़ दिखाई देगी -

A- खुशनसीबी

B- सन्तुष्टता

C- पवित्रता

D- नम्रता

प्रश्न 6- मनुष्य समझते हैं भगवान तो अन्तर्यामी है, यह सब क्या है -

A- अंध विश्वास

B- भक्ति मार्ग

C- शास्त्रों की बातें

D- अंध श्रद्धा

प्रश्न 7- वाइसलेस हैं -

A- परमधाम में

B- सतयुग में

C- निर्विकारी

D- B और C

E- A और B

प्रश्न 8- विनाश के समय अंतिम डायरेक्शन को कैच करने के लिए कैसी बुद्धि चाहिए ?

A- महीन बुद्धि

B- स्वच्छ बुद्धि

C- पारस बुद्धि

D- वाइसलेस बुद्धि

प्रश्न 9- बाप कहते हैं कम से कम पुरुषार्थ कर कितने घण्टा तो याद करो ?

A- 2

B- 8

C- 4

D- 6

प्रश्न 10- विराट रूप में मुख्य क्या दिखाते हैं ?

A- चार युग

B- चार धर्म

C- चार वर्ण

D- ब्राह्मण चोटी फिर देवता

प्रश्न 11- किस स्मृति में रहो तो रावणपन की स्मृति विस्मृत हो जायेगी ?

A- सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं, हम आत्मा हैं।

B- हमें भगवान पढ़ाते हैं।

C- हम सो देवता बनने वाले हैं।

D- हम शिव बाबा के बच्चे हैं।

प्रश्न 12- शिवबाबा इनमें से क्या नहीं हैं -

A- रमता योगी

B- बिन्दी

C- पारस बुद्धि

D- लिंग रूप

प्रश्न 13- तुम जानते हो यह पढाई है ही किसलिए ?

A- भविष्य के लिए

B- सतयुग के लिए

C- 21 जन्मों के लिए

D- नयी दुनिया अमर लोक के लिए

प्रश्न 14- असंभव को भी सम्भव करा देती है ?

A- हिम्मत

B- निश्चय

C- दृढ़ता

D- धैर्यता

प्रश्न 15- सदा इसी नशे में रहो कि -

A- हमें भगवान ने पसंद किया है l

B- हम ही स्वदर्शन चक्रधारी हैं l

C- हम संगमयुगीन ब्राह्मण हैं l

D- हमें भगवान पढ़ाते हैं l

प्रश्न 16- योग को किनारे कर कर्म में बिजी हो जाना क्या है ?

A- डिससर्विस है

B- मनमत है

C- अलबेलापन है

D- देह अभिमान है

भाग (74) खण्ड {148} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.कारण का निवारण*

मुरली के राज़ का साज़ अगर सदैव बजाते रहो तो माया सदा के लिए सरेन्डर हो जायेगी। माया का मुख्य स्वरूप कारण के रूप में आता है। *जब मुरली द्वारा कारण का निवारण मिल जायेगा तो माया सदा के लिए समाप्त हो जायेगी।* कारण खत्म अर्थात् माया खत्म।

उत्तर 2- *D.पवित्रता*

*संगमयुगी ब्राह्मण जीवन की विशेषता पवित्रता है। * प्रवृत्ति में रहते अपवित्रता से निवृत्त रहना, स्वप्न मात्र भी अपवित्रता के संकल्प से मुक्त रहना - यही विश्व को चैलेन्ज करने का साधन है, यही आप ब्राह्मणों की रूहानी रॉयल्टी और पर्सनैलिटी है।

उत्तर 3- A.योगबल

तुम बच्चे तो अपने योगबल से अपनी कर्मेन्द्रियों को वश में करते हो। कर्मेन्द्रियाँ योगबल से शीतल हो जायेंगी। कर्मेन्द्रियों में चंचलता होती है ना। अब कर्मेन्द्रियों पर जीत पानी है, जो कोई चंचलता न चले। सिवाए योगबल से कर्मेन्द्रियों का वश होना इम्पासिबुल है। *बाप कहते हैं कर्मेन्द्रियों की चंचलता योगबल से ही टूटेगी।* योगबल की ताकत तो है ना। इसमें बड़ी मेहनत लगती है।

उत्तर 4- *A.वर्सा*

अभी तो हैं आत्मायें, परमात्मा से वर्सा लेते हैं। आत्मायें हैं बच्चे, परमात्मा है बाप। बच्चे और बाप का बहुत समय के बाद मेला लगता है। एक ही बारी।

उत्तर 5- *A.खुशनसीबी*

अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी।

उत्तर 6- *D.अंधश्रद्धा*

बाप भी मूल बात समझाते हैं - बीज और झाड़। बाकी मनुष्य तो ढेर हैं। एक-एक के अन्दर को थोड़ेही बैठ जानेंगे। *मनुष्य समझते हैं भगवान तो अन्तर्यामी है, हरेक के अन्दर की बात को जानते हैं। यह सब है अन्धश्रद्धा।*

उत्तर 7- *D. B और C*

विनाश के समय अन्तिम डायरेक्शन्स को कैच करने के लिए वाइसलेस बुद्धि चाहिए। जैसे वे लोग वायरलेस सेट द्वारा एक दूसरे तक आवाज पहुंचाते हैं। *सतयुग को वाइसलेस वर्ल्ड (गुणों से रहित या दोषों से मुक्त दुनिया) कहा जाता है, जहाँ पवित्रता और सुख होता है, जबकि कलियुग को विशश वर्ल्ड (विकारों वाली दुनिया) कहा जाता है।श्रेष्ठाचारी राज्य को तो कहा जाता है सम्पूर्ण निर्विकारी स्वर्ग तो है ही वाइसलेस वर्ल्ड।*

उत्तर 8- *D.वाइसलेस बुद्धि*

विनाश के समय अन्तिम डायरेक्शन्स को कैच करने के लिए वाइसलेस बुद्धि चाहिए। जैसे वे लोग वायरलेस सेट द्वारा एक दूसरे तक आवाज पहुंचाते हैं। यहाँ है वाइसलेस की वायरलेस। इस वायरलेस द्वारा आपको आवाज आयेगा कि इस सेफ स्थान पर पहुंच

जाओ। जो बच्चे बाप की याद में रहने वाले वाइसलेस हैं, जिन्हें अशरीरी बनने का अभ्यास है वे विनाश में विनाश नहीं होंगे लेकिन स्वेच्छा से शरीर छोड़ेंगे।

उत्तर 9- *B. 8*

मेहनत बिगर तो कुछ चल न सके। हम बाबा के बने हैं, उनको ही याद करते हैं। बाप भी कहते हैं मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। 84 जन्मों की कहानी भी बिल्कुल सहज है। बाकी मेहनत है बाप को याद करने में। *बाप कहते हैं कम से कम पुरुषार्थ कर 8 घण्टा तो याद करो।*

उत्तर 10- *D.ब्राह्मण चोटी फिर देवता*

भागीरथ तो मनुष्य का रथ है ना। इसमें परमपिता परमात्मा विराजमान होते हैं, परन्तु रथ का नाम क्या है? अभी तुम जानते हो नाम है ब्रह्मा क्योंकि ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण रचते हैं ना। पहले होते ही हैं ब्राह्मण चोटी फिर

देवता। *पहले तो ब्राह्मण चाहिए इसलिए विराट रूप भी दिखाया है। तुम ब्राह्मण ही फिर देवता बनते हो।*

उत्तर 11- *A.सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं,हम आत्मा हैं*

सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं, हम आत्मा हैं, हम बड़े बाबा (शिवबाबा) से छोटे बाबा (ब्रह्मा) द्वारा वर्सा ले रहे हैं। यह स्मृति रावणपने की स्मृति को भुला देगी। जबकि स्मृति आई कि हम एक बाप के बच्चे हैं तो रावणपने की स्मृति समाप्त हो जाती है।

उत्तर 12- *D.लिंग रूप*

बाप है बिन्दी, वह फिर इतना बड़ा-बड़ा लिंग रूप बना देते हैं। परन्तु ऐसे है नहीं। मनुष्यों के भी बहुत बड़े-बड़े चित्र बनाते हैं। मनुष्यों के शरीर तो यही होते हैं। भक्ति मार्ग में क्या-क्या बैठ बनाया है। मनुष्य कितना मूँझे हुए हैं।

उत्तर 13- *D.नई दुनिया अमरलोक के लिए*

अभी तुम यहाँ पढ़कर भविष्य विश्व के मालिक बनते हो। *तुम जानते हो यह पढ़ाई है ही नई दुनिया, अमरलोक के लिए।* बाकी कोई अमरनाथ पर शंकर ने पार्वती को अमरकथा नहीं सुनाई है। वह तो शिव-शंकर को मिला देते हैं।

उत्तर 14- *C.दृढ़ता*

स्लोगन:- *दृढ़ता असम्भव से भी सम्भव करा देती है।*

उत्तर 15- *C.हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं*

बाप को ही सब बुलाते हैं ना। अभी भी वह कहेंगे, कहते रहते हैं कि आओ और तुम संगमयुगी ब्राह्मण कहते हो बाबा आया हुआ है। इस संगमयुग को भी तुम जानते हो, यह पुरुषोत्तम युग गाया जाता है। *सदा इसी नशे में

रहो कि हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं,* हम जानते हैं जिस बाबा को सब पुकार रहे हैं, वह हमारे सम्मुख है।

उत्तर 16- *C.अलबेलापन है*

स्लोगन:- *योग को किनारे कर कर्म में बिजी हो जाना - यही अलबेलापन है।*